O Radhe Kahe Nain Churave Mote Bach Na Payega Lyrics in Hindi and English

O Radhe Kahe Nain Churave Mote Bach Na Payega Lyrics in Hindi

ओ राधे कहे नैन चुरावे मोते बच ना पावेगी
कन्हिया क्यों ज्यादा इतरावे आफत तोपे आवेगी
राधे काहे नैन चुरावे मोते बच ना पावेगी
कन्हिया क्यों ज्यादा इतरावे आफत तोपे आवेगी

तेरी मेरी प्रीत पुरानी , कहे रार करे वृजरानी
कान्हा का तने मन मे ठानी , उलटी बात करे मनमानी
राधिके कर मेरी पहचान , ना मोते फिर शरमावेगी
कन्हैयाँ क्यों ज्यादा इतरावे आफत तोपे आवेगी

तेरा बरसाने क्या काम , चला जा उलटा तू नंदगाँव
तू राधा में तेरो श्याम , मिटाएले प्यारी भ्रम तमाम
रही ना तेरी अखियन में लाज की दुनियाँ बात बनावे गी
राधे कहे नैन चुरावे मोते बच ना पावेगी

3) प्रेम की बात तोये समझाऊँ मुरलिया तेरे लिए बजाऊँ
में बातन में ना ही आऊँ जल भर के अपने घर जाऊँ
मैं मार्ग रोक खड़ा हो जाऊँ किशोरी कैसे जावेगी
कन्हिया क्यों ज्यादा इतरावे आफत तोपे आवेगी

\छेड़े काहे मोहे मुरारी मोते दूर हटो बनवारी
प्रेम की भिक्षा दे दो प्यारी दुभिदा खत्म करो अब सारी
ओ भूलन त्यागी हरि की लीला सब की वाणी गावेगी
ओ राधे काहे नैन चुरावे मोते बच ना पावेगी

बच ना पावेगी ओ राधे बच ना पावेगी
राधे काहे नैन चुरावे मोते बच ना पावेगी
कन्हैयाँ क्यों ज्यादा इतरावे आफत तोपे आवेगी
राधे काहे नैन चुरावे मोते बच ना पावेगी
कन्हैयाँ क्यों ज्यादा इतरावे आफत तोपे आवेगी

O Radhe Kahe Nain Churave Mote Bach Na Payega Lyrics in English

O Radhe, kahe nain churave, mote bach na paavegi,
Kanhaiya kyun zyada itraave, aafat tope aavegi.
Radhe, kahe nain churave, mote bach na paavegi,
Kanhaiya kyun zyada itraave, aafat tope aavegi.

Teri meri preet purani, kahe raar kare Vrajraani,
Kanha ka tane mann mein thaane, ulta baat kare manmaani,

Radhike kar meri pehchaan, na mote phir sharmaavegi,
Kanhaiya kyun zyada itraave, aafat tope aavegi.

Tera Barsane kya kaam, chala ja ulta tu Nandgaon,
Tu Radha mein, tero Shyam, mitaale pyaari bhram tamaam,
Rahi na teri akhiyon mein laaj ki duniya baat banaavegi,
Radhe, kahe nain churave, mote bach na paavegi.

Prem ki baat toye samjhaoon, murliya tere liye bajaoon,
Main baaton mein na hi aaoon, jal bhar ke apne ghar jaaoon,
Main maarg rokh khada ho jaaoon, Kishori kaise jaavegi,
Kanhaiya kyun zyada itraave, aafat tope aavegi.

Chhede kahe mohe Murari, mote door hatto Banwari,
Prem ki bhiksha de do pyaari, dukhida khatam karo ab saari,
O bhoolan tyagi Hari ki leela, sab ki vaani gaavegi,
O Radhe, kahe nain churave, mote bach na paavegi.

Bach na paavegi, O Radhe bach na paavegi,
Radhe, kahe nain churave, mote bach na paavegi,
Kanhaiya kyun zyada itraave, aafat tope aavegi,
Radhe, kahe nain churave, mote bach na paavegi,
Kanhaiya kyun zyada itraave, aafat tope aavegi.

About O Radhe Kahe Nain Churave Mote Bach Na Payega Bhajan in English

O Radhe, why do you steal glances? I won’t be able to escape.
Kanhaiya, why do you boast so much? Trouble will come your way.
O Radhe, why do you steal glances? I won’t be able to escape.
Kanhaiya, why do you boast so much? Trouble will come your way.

Our love is ancient, says Vrajraani,
Kanha, you’ve fixed it in your heart, but you speak with mischief,
O Radha, let the world know, that no one can be more bashful than me,
Kanhaiya, why do you boast so much? Trouble will come your way.

What’s your work in Barsana, go back to Nandgaon,
You are Radha, and I am Shyam, together we’ll remove all confusion,
There won’t be any shame in your eyes, and the world will speak of us,
O Radhe, why do you steal glances? I won’t be able to escape.

Let me teach you the language of love, I’ll play my flute just for you,
I won’t talk, I’ll fill my pot with water and return home,
I’ll block the path, how will you pass, O Kishori?
Kanhaiya, why do you boast so much? Trouble will come your way.

Why tease me, O Murari, go away, O Banwari,
Give me the alms of love, end all the struggles and miseries,
O forgotten soul, leave behind the actions of Hari, and the voice of devotion will sing,
O Radhe, why do you steal glances? I won’t be able to escape.

I won’t be able to escape, O Radhe, I won’t be able to escape,
O Radhe, why do you steal glances? I won’t be able to escape,
Kanhaiya, why do you boast so much? Trouble will come your way,
O Radhe, why do you steal glances? I won’t be able to escape,
Kanhaiya, why do you boast so much? Trouble will come your way.

About O Radhe Kahe Nain Churave Mote Bach Na Payega Bhajan in Hindi

“ओ राधे कहे नैन चुरावे, मोते बच ना पाएगी” भजन के बारे में

“ओ राधे कहे नैन चुरावे, मोते बच ना पाएगी” एक अत्यंत भक्ति से भरा और भावपूर्ण भजन है, जो **श्री राधा** और **श्री कृष्ण** के बीच के प्रेम, मस्ती और दिव्य संबंध को दर्शाता है। इस भजन में राधा और कृष्ण के प्रेमपूर्ण नृत्य और उनके चंचल व्यवहार का चित्रण किया गया है। भजन में राधा के नैन चुराने और कृष्ण के इतराने के बीच की मिठास, मस्ती और भावनाओं का उल्लासपूर्ण वर्णन किया गया है।

- **राधा और कृष्ण का चंचल प्रेम :** भजन की शुरुआत राधा के नैन चुराने से होती है, जिसमें वह कृष्ण के प्रति अपनी मोहक नज़रें भेजती हैं। “ओ राधे कहे नैन चुरावे, मोते बच ना पाएगी” पंक्ति राधा के दिल के गहरे प्रेम को व्यक्त करती है, जहां वह कृष्ण से अपने प्यार का इज़हार करती हैं और जानती हैं कि कृष्ण उसके बिना नहीं रह सकते।
- **कृष्ण का इतराना और मस्ती :** भजन में कृष्ण के इतराने की बात भी की गई है, जो उनकी चंचलता और दिव्यता को दर्शाता है। “कन्हिया क्यों ज्यादा इतरावे, आफत तोपे आवेगी” पंक्ति में कृष्ण के प्रेमी के रूप में अपने दिल की चंचलता और खेल को व्यक्त किया गया है, जहां वह राधा के नैनों में खोकर खुशी और प्रेम में मस्त रहते हैं।
- **प्रेम की अनोखी महिमा :** भजन में राधा और कृष्ण के प्रेम के गहरे रिश्ते को दर्शाया गया है। “तेरी मेरी प्रीत पुरानी” और “कान्हा का तने मन में ठानी” पंक्तियों में उनके प्रेम की शुरुआत और उसकी गहरी सच्चाई का अहसास होता है। यह भजन इस बात को व्यक्त करता है कि राधा और कृष्ण का प्रेम समय के साथ पुराना होता हुआ भी नया और सजीव रहता है।
- **सभी बाधाओं का निवारण :** भजन में यह भी कहा गया है कि राधा और कृष्ण के प्रेम और विश्वास से सभी कठिनाइयों का हल मिलता है। “राधा में तेरो श्याम, मिटाएले प्यारी भ्रम तमाम” पंक्ति में बताया गया है कि राधा और कृष्ण के मिलन से सभी भ्रम और बाधाएं समाप्त हो जाती हैं, और शांति और प्रेम का माहौल बनता है।
- **कृष्ण के प्रति समर्पण :** भजन के अंत में कृष्ण के प्रति समर्पण और श्रद्धा का अहसास होता है। “जो भी श्याम शरण में चले, उसे प्रणाम करना चाहिए” पंक्ति से यह संदेश मिलता है कि भक्तों को कृष्ण की शरण में समर्पण करना चाहिए और उनका सम्मान करना चाहिए।

कुल मिलाकर, “ओ राधे कहे नैन चुरावे, मोते बच ना पाएगी” एक दिल छूने वाला भजन है, जो राधा और कृष्ण के प्रेम, मस्ती और दिव्यता को बखूबी दर्शाता है। यह भजन भक्तों को भगवान श्री कृष्ण और राधा के प्रेम में खो जाने की प्रेरणा देता है और उनकी दिव्य लीलाओं में भाग लेने के लिए प्रेरित करता है।